वार्षिक रिपोर्ट २०१०२०११

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म० प्र०

सुजाग्रति अपनी सक्रियता के ११ वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है। जब हम जिला और प्रदेश के पैमाने पर अपनी स्थिति का आकलन करते है तो हमारे ये काम अत्यन्त उपयोगी व प्रासंगिक नजर आते है। इससे यह प्रश्न उठता है कि जब हम और अधिक ठोस तरीके से इसे समझते है और इसकी व्याख्या करते है तथा इसकी उपलब्धियों पर आनंदित होते है, एसी स्थिति में हम सुजाग्रति के लक्ष्य और दृस्टि के संदर्भ में किस प्रकार इसके प्रभावों को माप सकते है। कहा जाय तो रोज बदलती इस बंधनमुक्त दुनिया के परिपेक्ष्य में हमारे ये काम जरूर अंतर पैदा करते है। :-

संस्था का विजन :-

स्थाई व समान जीवन यापन के लिये प्रतिवद्धता के माध्यम से सामुदायिक विकास में प्रेरक, जिससे मानव सुखी सम्पन्न एवं न्यायोचित जीवन यापन कर सके।

संस्था का मिशन :-

लोग जल, जंगल, जमीन के संबर्द्धन व संरक्षण हेतु पारम्परिक व आधुनिक तकनीकि का उपयोग करें, जिससे पर्यावरण का संतुलन आजीविका का संबर्द्धन सामाजिक समरसता एवं स्त्री-पुरुष की समानता हो।

१. स्माल ग्रान्ट प्रोग्राम सी. ई. ई. दिल्ली के सहयोग से संस्था द्वारा किया गया कार्य :-

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्था द्वारा लुप्त होती जा रही प्रजाति गूगल को बचाने हेतु २ वर्षों में १०००० गूगल का प्लान्टेशन एवं १२००० पेडों का संरक्षण किया गया है। तथा सर्वे अनुसार १ वर्ष में ८०० हेक्टेयर उपजाउ भूमि बीहड में परिवर्तित होती जा रही है उसे बचाने का छोटा सा प्रयास संस्था द्वारा ग्राम पंचायत पिपरई में बीहड तथा उपजाउ भूमि के बीच में ३००० मी० लम्बी डौर बन्दी करके किया गया है। इसमें बीच बीच में पक्की में पक्की जल निकाश नालीयॉ बनाई गई है। यह सोइल एवं वाटर कंजरवेशन का अनुपम उदाहरण है। साथ ही साथ २ गॉव पिपरई एवं पिपरई पुरा में चार महिला स्वयं सहायता समूहों का निर्माण कर उनकी आयवृद्धि हेतु गूगल गोंद एवं अन्य लघु

वन उपज से जोडा गया है। संस्था द्वारा यह कार्य मुरैना जिले की मुरैना ब्लाक की पिपरई पंचायत में किया है।

आउटकम :- इस कार्य से २०० हेक्टेयर उपजाउ भूमि बीहड में परिवर्तित होने से बची। लुप्त होती जा रही प्रजाति गूगल के पौधों का संरक्षण एवं संबर्धन हुआ साथ ही साथ ४४ महिलाओं की आयबृद्धि व क्षमता बृद्धि हुई।

गूगल के पेड का संरक्षण।

बीहड तथा उपजाउ भूमि के बीच डौरबन्दी व जल निकाश नाली।

२. वनाधिकार अधिनियम २००६ का अध्ययन :-

श्योपुर जिले के करहाल ब्लाक की ६ पंचायत एवं

विजयपुर ब्लाक ६ की पंचायतों में वनाधिकार अधिनियम पर अध्ययन किया गया, अध्ययन उपरान्त अध्ययन प्रमुख सचिव म०प्र० शासन के समक्ष समर्थन संस्था एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा रखा गया ।

संस्था द्वारा वनाधिकार अधिनियम २००६ का अध्ययन करते हुये, जिला श्योपुर की १२ पंचायतों में।

३. कॉमन बेल्थ गेम के अवसर पर वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली का आयोजन :-

कॉमन बेल्थ गेमों

के अवसर पर सुजागृति संस्था द्वारा सी. ई. ई. दिल्ली के सहयोग से एशियन पब्लिक स्कूल काशी बाबा स्वंय सहायता समूह पिपरई जैवविविधता प्रबंधन समिति पिपरई , संगीत गुरूकुल , कोलुआ मिडिल स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्य एवं पर्यावरण पर जागरूकता रैलीयों का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम बडा सफल हुआ।

आउटकम :- *इस कार्यक्रम से १७५ कार्बन अवशोषित पेडों का वृक्षारोपण हुआ तथा लोग पर्यावरण के प्रति जागरूक व संवेदनशील हुये।*

संस्था द्वारा कॉमन बेल्थ गेम अवसर पर वृक्षारोपण एवं रैलियों का आयोजन।

४. ग्राम सभा सशक्तिकरण कार्यक्रम :-

ग्राम सभा में महिला भागीदारी बडाने एवं ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने के लिये सबलगढ ब्लाक में पंचायत राज महासंघ का गठन किया गया एवं मुरैना जिले के सातों ब्लाकों में ग्राम सभा सशक्तिकरण हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ग्रामसभा सशक्तिकरण हेतु संस्था की भागीदारी व सांस्कृतिक प्रस्तुतियॉ।

५. पर्यावरण मित्र :-

पर्यावरण मित्र कार्यक्रम के अन्तर्गत आगामी २०११ से २०१३ तक १२० स्कूलों में

पर्यावरण मित्र कार्यक्रम चलाना है। इस हेतु संस्था के कार्यक्रम कॉर्डीनेटर ने डी. ई. ओ. , बी. आर. सी. , बी. एम. ओ., से चर्चा की गई, १२५ स्कूलों की सूची बनाई गई, कार्यक्रम हेतु एक्शन प्लान तैयार किया गया तथा कुछ कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पृथ्वी को हराभरा बनाने तथा पर्यावरण मित्र कार्यक्रम के अन्तर्गत १२० स्कूलों में सघन कार्यक्रम ।

६. नशामुक्ति कार्यक्रम :-

नशामुक्ति कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भॉति इस वर्ष भी २ अक्टूबर से ८/१०/१० तक नशा मुक्ति सप्ताह का आयोजन किया गया तथा २ मार्च २०११ सें १४ मार्च २०११ तक नशामुक्ति रथ सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से जिले के सातों ब्लोकों में चलाया गया।

७. महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम :-

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्था स्वयं सहायता

समूहों का गठन उनका पंजीयन जनपद पंचायतों में ग्रेडिंग कराई गयी, उन्हें लोन की प्रक्रिया में ले गये व आय बृध्दि हेतु गूगल गोंद से जोडा गया। एवं भारत सरकार के जूट कार्यक्रम में जोडा गया। यह कार्यक्रम मुरैना ब्लॉक की पिपरई, भानपुर पंचायत एवं पहाडगढ ब्लॉक की मानपुर, कहारपुर , धूरकूडा व पहाडगढ पंचायत में किया गया।

महिला स्वयं सहायता समूह निर्माण , क्षमता वृद्धि कार्य के साथ ही सशक्तिकरण शिविरों का आयोजन।

अध्यक्ष

सुजागृति समाज सेवी संस्था

मुरैना म० प्र०